माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: **हायर सेकण्डरी परीक्षा**

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड | 0 | 0 | 1 | परीक्षा का विषय हिन्दी
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 12-3-09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2001	A

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

केन्द्र क्रमांक की सील

2039 C. No.-771016

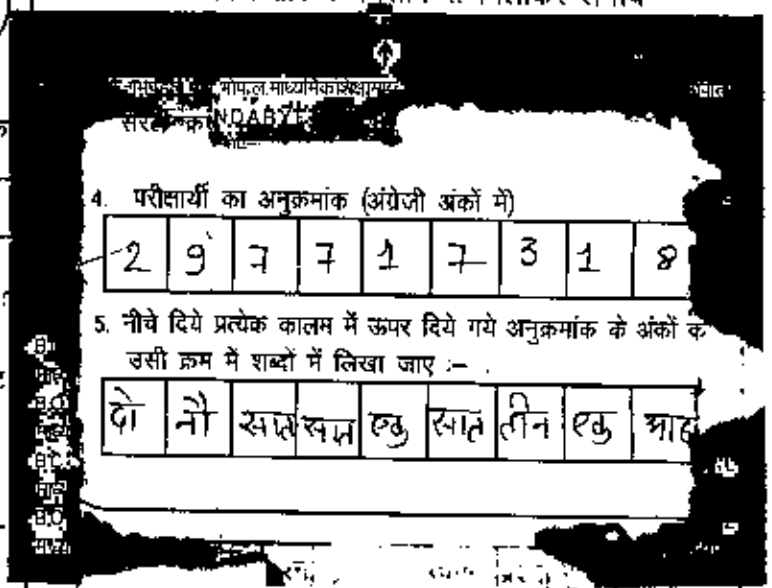

[redacted]

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	7	7	1	7	3	1	8

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

दो	नौ	सात	सात	एक	सात	तीन	एक	आठ

[redacted]

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में × अंकों में ×

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 12 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ____

नाम श्रीमति एम.बघेल पद उ.श्रे.शि.

पता/संस्था शा.उ.मा.वि. ...

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

1		11		21	
2	3	12		22	
3	3	13		23	
4	4	14		24	
5	4	15		25	
6	4	16	1		
7	5	17	1		
8	5	18	1		
9	1½	19	1		
10	6	20	1½		
कुल प्राप्तांक		शब्दों में		अंकों में	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के ... हैं। होलोक्राफ्ट स्टीकर चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) ____ हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) ____ हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक) ____

परीक्षक क्रमांक 93380185 दिनांक 28/08/09 दिनांक ____

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक / विषय / माध्यम / दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा / रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

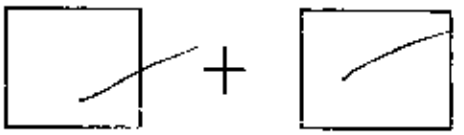

3 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक =

प्र. 1

Ans (i) अक्रूर

(ii) केशवदास

(iii) मीरा को

(iv) 1936

(v) दुष्यन्त कुमार

प्र. 2

Ans (i) ऊषा प्रियवंदा

(ii) कायरता

(iii) कबीर

(iv) छायावाद

(v) प्रगतिवादी

प्र. 3

Ans (i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

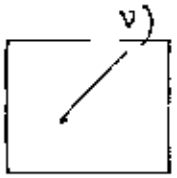

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र-4

Ans.

काव्य मे सर्वाधिक छंदो का प्रयोग किया = केशव ने
काव्य मे भावविह्वलता कूट कूट कर भरी है। = मीरा ने
राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने वाले कवि = गोपाल सिंह नेपाली
रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि = घनानन्द
उद्धव प्रसंग नामक कविता के रचयिता = जगन्नाथ दास रत्नाकर

प्र-5

Ans

(i) सूरदास
(ii) सरल वाक्य
(iii) वैद्य
(iv) तात्या टोपे को
(v) पुस्तक

BSFMP

प्र 6

Ans

कबीर ने शब्द की बहुत अधिक महिमा बताई है। कबीर के अनुसार शब्द बहुत ही सम्भाल कर बोलना चाहिए क्यो कि असावधानी से बोला गया एक शब्द व्यक्ति के शरीर मे घाव कर देता है अर्थात उसे बहुत अधिक पीड़ा होती है। और सावधानी से बोला गया मधुर शब्द औषधि का कार्य करता है। अर्थात व्यक्ति को अच्छा लगता है। कबीर दास जी कहते है कि जिनने जीभ (वाणी) को वश मे कर लिया उसने सारे जहान को बस मे कर लिया।

5

योग

प्र. 7

Ans. विभावरी बीतने पर अर्थात सुबह होने पर एक सखी दूसरी सोती हुई सखी से कहती है कि देखो सखी सुबह हो गई है और ऊषा रूपी नायिका तारे रूपी घट को (मटका) आकाश रूपी पनघट मे डुबो रही है। और तु अभी तक सोई हुई है तेरे रक्तिम ओठों से लगता है कि तूने रात्रि मे प्रेम मदिरा का पान किया है। जो तेरी आलस्य एवं थकावट को सूचित कर रही है। सुबह होते ही पक्षी कुलकुल का शोर करने लगे है। तुम उठती क्यो नही है।

B S E M P

प्र. 8

Ans. छायावाद - डॉ नगेन्द्र के अनुसार छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह था।

छायावाद की विशेषताए

1. यथार्थ की अपेक्षा कल्पना का पुट अधिक मिलता है।
2. छायावाद मे वेदना एवं दुखो का चित्रण किया गया है।
3. गीति शैली की अधिकता
4. खड़ी बोली मधुर भाषा इस काव्य की विशेषता है।
5. छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह था।

पृष्ठ के अंकों का योग

(6) =

य कुल अंक

प्र.10
Ans

लेखक के अनुसार गाँव से बहुत सी पारम्परिक चीजे गायब हो रही है। हल का स्थान ट्रैक्टर ने ले लिया है।
(2) गाँव के भरे तालाब अदृश्य होते जा रहे है। सिचाई के लिए भवकती धुँआ छोड़ती इंजनो का प्रयोग हो रहा है।
(3) मंदिरो के घंटो की झनझनाहट की आवाज विलुप्त हो रही है। (4) गाँव मे गाय बछड़ो की संख्या बहुत कम हो गयी है। चार घर का गाँव चार पार्टियो मे विभाजित हो गया है। (5) टिमटिमाते दीपको की जगह बिजली गाँव को चौंधिया रही है।

प्र.11
Ans

नैनो टैक्नोलॉजी अपनी अपनी उपयोगिता एवं विशेषताओ के कारण सारे विश्व मे लोकप्रिय हो रही है इसकी सम्भावनाएँ अपार है किन्तु इसका सर्वाधिक प्रभाव चिकित्सा के क्षेत्र मे देखने को मिल रहा है। इस प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके वैज्ञानिक "गोल्ड पार्टिकल बैक्टीरिया" का ट्यूमर सेल्स का निर्माण कर रहे जो कि कैंसर की समूची प्रक्रिया को ही खत्म कर देगा जो कि ट्यूमर के खतरनाक तत्व को समाप्त कर देगा। इसके अतिरिक्त वैज्ञानिक इसी तकनीक पर आधारित एक ऐसी कलाई घड़ी का निर्माण कर रहे जो समय रहते मनुष्य के शरीर मे होने वाली बीमारियो को समय रहते बता देगी।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र. 12

Ans

परिभाषा - यह रोला एवं उल्लाला से मिलकर बनता है इसमे 6 चरण होते है। इसमे प्रथम चार चरणो 11-13, बिराम (यति) से 24 मात्राएं होती है तथा अंतिम दो पदो मे 15-13 के यदि (बिराम) से 28 मात्राएं होती है।

उदा०. नीलाम्बर परिधान हरित पट पर सुन्दर है।
सूर्य चन्द्र युग मुकट मेखला रत्नाकर है।। - उल्लाला
नदियाँ प्रेमप्रवाह फूल तारे मण्डल है।
बन्दी जन खग वृन्द सर्प फन सिंहासन।।
करते अभिषेक पयोद है बलिहारी इस वेष की की
है। मातृभूमी तू सत्य ही मूर्ति सगुण सर्वेश की - रोला

BSEMP

(8) 1.

कुल अंक

प्र. 13

Ans (अ) मुहावरे

(1) तूती बोलना = धावा बोलना

वाक्य प्रयोग रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजो पर धावा बोल दिया जिससे वे घबरा गए।

(2) गुदड़ी का लाल : आश्चर्य जनक कार्य करना

वाक्य प्रयोग मोहन गुदड़ी का लाल है जिसने आश्चर्य जनक कार्य करके अपने पिता का नाम रोशन किया।

(ब) मध्यप्रदेश मे बोली जाने वाली बोलिया

(i) मालवी

(ii) बुन्देली

(iii) बघेली

MPBSE

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र· 14
Ans

शरद जोशी

(क) रचनाएँ = (1) मेरा प्रिय दामाद
(2) श्री मति जी
(3) बिक्रम और बेताल
(4) दिल है कि मानता नही

(ख) भाषा शैली - शरद जोशी भाषा सरल, सुबोध एवं व्यवहारिक है इन्होने अपनी भाषा मे खड़ी बोली का प्रयोग किया है। इनकी रचनाओ मे यदा कदा मुहावरे का प्रयोग मिलता है। जो रचनाओ को और भी सरस बना देता है। इन्होने अपनी भाषा व्यवहारिक जीवन मे उतारकर प्रयोग किया है।

जोशी जी की प्रमुख ~~व्यंग्यात्मक~~ व्यंग्यात्मक शैली अपनाई है इसी मे जोशी जी ने अधिकतर रचनाएँ की है। इसके अलावा भावात्मक, चित्रात्मक आदि शैलियो का प्रयोग भी जोशी जी ने किया है। जोशी जी ने चित्रात्मक शैली का प्रयोग करके अनेक बातो को मानव जीवन मे उतारा है।

(ग) साहित्य मे स्थान - श्री शरद जोशी जी का साहित्य मे अभूतपूर्व स्थान है। इन्होने अपनी व्यंग्यात्मक रचनाओ से सारे साहित्य को प्रकाशित किया है। जोशी जी ने बहुत अच्छी साहित्य साधना की है साहित्य इनका सदा आभारी रहेगा।

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र· 15

Ans - कबीरदास

(क) रचनाएँ = (i) सारवी

(ii) सबद

(iii) रमैनी

(iv) बीजक

(ख) भावपक्ष - कलापक्ष - कबीर दास जी ने अधिकतर दोहा छंद की रचना की है। इनके छंदो का तो स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। इसके अतिरिक्त कबीर ने ज्ञानोपदेशक दोहो की रचना की है। कबीर दास ने भावात्मक एवं चित्रात्मक शैली का प्रयोग किया है। इनकी रचनाओ मे सभी अलंकारो का प्रयोग मिलता है।

कबीर दास जी की भाषा सधुक्कड़ी है जिसे पंचमेली अथवा खिचड़ी भाषा कहते है। कबीर ने अपनी भाषा मे रचनाओ मे सभी भाषाओ का प्रयोग किया है। कबीर दास एक अच्छे ज्ञानोपदेशक माने जाते है। जिन्होने अपनी रचनाओं से संसार को ज्ञान प्रदान किया है।

(ग) साहित्य मे स्थान - कबीरदास रहस्य वाद के प्रमुख कवि है जिस तरह सारे संसार मे सूर्य का स्थान है उसी प्रकार साहित्य मे कबीर का स्थान है। ये ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि थे। तथा निर्गुण के उपासक थे।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र. 16

Ans -

सन्दर्भ - प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठ्य पुस्तक के यशोधरा नाम शीर्षक से अवतरित है। इसके लेखक श्री रघुवीर सिंह है।

प्रसंग - इन पंक्तियो मे गौतम चिर-सुख प्राप्त करने के लिए सन्यासी हो जाते है तथा ~~रात~~ रात मे चुपचाप अपनी प्रियतमा को छोड़कर चले जाते है

व्याख्या - गौतम चिर-सुख प्राप्त करने लिए तथा चिर-सुख का अप्राप्त अमृत प्राप्त करने के लिए अपने जीवन का मंथन किया है। उस मंथन से निकले चिर-वियोग अर्थात भयानक विरह रूपी विष को उनकी प्रिय यशोधरा ने पिया। परंतु इस जहर को पीने के बाद भी यशोधरा का गला नीला नही हुआ क्यो कि सागर मंथन से निकला विष पीने के बाद शंकर जी नीलकंठ हो गए थे इस को देखकर कैलाशवासी शंकर लज्जा से सकुचा गए।

विशेष - (i) गौतम को चिर-सुख का अमृत प्राप्त करने के लिए अपनी प्रियतमा को चिर-वियोग का विष देना पड़ा।

(ii) शुद्ध संस्कृत प्रभावशाली भाषा का प्रयोग किया गया है।

(iii) भावात्मक शैली अपनाई गई है।

(iv) भाषा मे मधुरता होते हुए वियोग है।

BSEM

योग

प्र · 17
Ans

सन्दर्भ - प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्र प्रेम नामक कविता से ली गई है। इसके कवि श्री हल्दा सरल है।

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियो मे कवि देश के युवाओ को देश की रक्षा के लिए आवाहन करता है युवाओ की क्षमता के बारे मे बताया गया है।

व्याख्या - इसमे कवि कहते है कि देश के युवाओ यदि तुम मन मे निश्चय कर लो तो, इस संसार (युग) को नई तस्वीर प्रदान करोगे। और तुम अपनी गर्जना से शत्रुओ के कलेजे चीर दोगे। यदि देश का मानसम्मान दाव पर लगे तो अपने सिर की आहुति दे देना। देश की मान पर पर शान यदि कोई ~~अंध~~ काली घटा नही छाने देना अर्थात कोई बाधा नही आने देना और देश की स्वाधीनता पर तुम आँच नही आने देना।

काव्य सौंदर्य (i) इसमे कवि ने देश की स्वतंत्रता को बरकरार रखने की बात कही है।

(ii) इसमे कवि ने भारतीय युवाओ की क्षमता के बारे मे बताया है।

(iii) वीर रस और ओजगुण।

B S E M P

प्र. 18

Ans (क) ⇒ कविता

(ख) भावार्थ - सर्वश्रेष्ठ कविता वह होती है जो पाठक या श्रोता का मन कवि के भावो मे लीन हो जाता है। श्रोता तथा पाठक अत्यधिक भाव विभोर हो जाता है। कवि अपने भाव श्रोता या पाठक के पास पहुचाने की क्षमता होती है। उसकी कविता उतनी ही विख्यात तथा लोगो का मन मोहने वाली होती है। ऐसे कवियो की कविता का लोग सदैव आदर करते है।

(ग)

Ans - जिस कवि मे अपने हृदय के भाव यथार्थ रूप मे पाठक या श्रोता के हृदय का भाव बन जाता है। उसकी कविता उतनी ही प्रभावशाली होती है। ऐसी कविता का सदैव आदर होता है।

D S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र. 15

Ans -

सेवा मे,

सचिव माध्यमिक म0डल म.प्र.

(भोपाल)

मान्यवर जी,

विनम्र, मैने कक्षा 10 वी की परीक्षा I श्रेणी मे उत्तीर्ण की है। तथा मुझे प्रमाण पत्र, अंकसूची प्राप्त हुई थी किन्तु दुर्भाग्यवस मेरी अंकसूची गुम हो गई है। मैने इसकी सूचना समाचार पत्रो के माध्यम से दी है। अत: आप अंकसूची की द्वितीय प्रति भिजवाने की कृपा करे।

नाम - विनय पांडे

पिता का नाम - श्री मोहन पाण्डे

रोल नं. = 120164

पता = 81 कालोनी नेहरू नगर इंदौर

date   प्रार्थी

12-3-09   विनय पांडे

B
S
E
M

प्र·20

Ans

विज्ञान : वरदान या अभिशाप

प्रस्तावना - विज्ञान के सारे विश्व विश्व को प्रगति के शिखर पर पहुंचा दिया है किन्तु एक तरफ उसी का विनाश भी बने बैठी है। विज्ञान के उपयोगिता के कारण व्यक्ति नित नए सोपान चढ रहा है। दिनो दिन प्रगति मे आगे किन्तु यदि विज्ञान का गलत उपयोग करने से मानव जाति का विनाश सर्वप्रथम होगा। क्यो कि पर्यावरण प्रदूषित होने से मानव जीवन खतरे मे है।

विज्ञान के वरदान

1. चिकित्सा के क्षेत्र मे - विज्ञान के कारण ही आज एक से दवाए खोजी जा चुकी है जिनसे अनेक असाध्य बीमारियो को ठीक करने मे मानव सफल रहे है। कुछ ऐसी जानलेवा बीमारियाँ थी जिनसे व्यक्तियो की मृत्यु निश्चित थी। किन्तु उनके टीके तैयार करके उन्हे हमेशा के लिए रोक दिया गया है। एक्सरे, सोनोग्राफी के शरीर के आंतरिक भागो की जानकारी प्राप्त होती है। जिससे चिकित्सा मे सुधार हुआ है। कृत्रिम अंग रोपित जाने लगे है। जिससे मानव जीवन नया रंग ला रहा है। विज्ञान के विकास बाल मृत्यु दर रुकी है। तथा मृत्यु दर मे भी काफी गिरावट आई है। विज्ञान चिकित्सा के क्षेत्र मे नित नए सोपान चढ रहा है। तथा ~~अ~~ अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहा है।

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

(16) योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 16 के अंक = कुल अंक

2. कृषि के क्षेत्र मे - कृषि के क्षेत्र मे भी विज्ञान ने काफी तरक्की की है। अनुवांशिकी विज्ञान द्वारा पादपो के आंतरिक अंगो की जानकारी प्राप्त कर उन्हे और भी उपयोगी बनाया जा रहा है। विज्ञान के कारण ही निरंतर उपज मे वृद्धि देखी जा रही है। रासायनिक उर्वरको के निर्माण ने तो मानो कृषि की काया ही पलट कर रख दी. रासायनिक उर्वरको के प्रयोग से उपज मे काफी बढ़ोत्तरी देखी गई है। विभिन्न वैज्ञानिको द्वारा अनेक रासायनिक दवाईयाँ खोज की गई है। जिससे अनेक कीट, खरपतवार एवं रोगो को नियंत्रित किया जा रहा है। रसायनो से बीजोपचार करने से फफूंद जनित रोग तो पौधो पर लगते ही नही है तथा उपज मे ~~क~~ काफी वृद्धि आंकी गई है।

3. यातायात के क्षेत्र मे - यातायात के क्षेत्र मे विज्ञान नित नए सोपान चढ़ रहा है। अनेक तीव्र गति के वाहनो के निर्माण से आदमी पैदल चलना भूल गया है। आज विज्ञान ने ऐसे 2 यातायात के साधन प्रयुक्त कर दिए है कि दूरी का तो कोई अहसास ही नही होता तथा लोग कितनी भी दूर समय मे पहुँच जाते है। जिससे समय की काफी मात्रा मे बचत होती है। आज पहाड़ो को खोदकर रेलवे लाइने बिछाई जा रही है तथा जहाँ रेल ~~मार्ग~~ यातायात संभव नही है वहाँ सड़को विकास किया जा रहा है। तथा वायु मार्ग का विकास तो हो ही रहा है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

आन्ध्रप्रदेश

विज्ञान के अभिशाप

विज्ञान का यदि सही उपयोग किया जाए तो वरदान सिद्ध हुई है न तो अभिशाप, आज विश्व मे इतने परमाणु बम बना लिए गए है कि दुनियाँ पल भर मे समाप्त हो सकती है। यातायात के साधनो के विकास मे पहाड़ खोदे जा रहे है सड़के बनाई जा रही है जिससे रेडियो धर्मी प्रदूषण बढ़ रहा है तथा भूकंप आने के अधिक मौके रहते है। भूकंप भी आने मे दुनिया समाप्त होना निश्चित है। इससे सुनामी लहरे आती है जिससे जन धन की अधिक मात्रा मे हानि होती है।

पर्यावरण प्रदूषण - प्रदूषण का प्रमुख कारण विज्ञान ही है। वाहनो से निकलने वाले धुएँ से कारखानो के निकलने वाले धुए से पर्यावरण प्रदूषित होता है। रासायनिक खादो के प्रयोग से मृदा प्रदूषित हो रही है। उर्वरको के लगातार प्रयोग से मृदा प्रदूषित हो रही है। प्रदूषण का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष कारण विज्ञान ही है।

उपसंहार - विज्ञान का मानव सही उपयोग करे तो ही मानव जीवन अच्छा एवं सुखमय बन सकता है। इसलिए मानव को विज्ञान का सदुपयोग करना चाहिए न कि दुरुपयोग

—o—o

R
L
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग

19

प्र· 1

Ans

नाटक बाबू श्याम सुन्दर दास के अनुसार नाटक (रूपक) काव्य की वह विशेष विधा है जिससे कोई परलोक मे घटित घटनाओ को दिखाने का आयोजन किया जाता है।

हिन्दी मे नाटक सम्राट ~~कौशिक~~ ~~नाथ~~ रेणु को कहा जाता है। जयशंकर प्रसाद

नाटक के नाम - ① युग साहित्य
(2)

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

22

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

मध्य प्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 24 के अंक	=	कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग